ले गई ले गई रे हमारो चित चोर

ले गई ले गई रे हमारो चित चोर,
कन्हैया तेरी बंसुरिया,

एक बात मैं केह्दू कान्हा बंसी ना बजाना ,
रोज रोज तुझे मिलाने का मैं कैसे करू बहाना,
वो तो निकला बहाने चोर ,
कन्हैया तेरी बाँसुरिया,
ले गायी.....

एक दिन सुबह सवेरे मैं तो दही बिलोवन लागि,
माखन तो मैं काड ना पायी बैरण बंसी बाजी,
वो तो ऐसी बाजी रे घंघोर,
कन्हैया तेरी बंसुरिया ,
ले गायी.....

देवी पूजन मैं चली ले पूजा का थाल,
मंदिर तक मैं पहुच ना पायी मिल गया मदन गोपाल,
मेरी बैया दीन्हि मरोड़,
कन्हैया तेरी बंसुरिया ,
ले गायी.....

एक बात मेरी सुनले कान्हा फिर भी रहना पाऊ,
जब जब बाजे तेरी मुरलिया दौड़ी दौड़ी आऊ,
मेरा मन पे नहीं कोई जोर,
कन्हैया तेरी बंसुरिया ,
ले गायी.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6974/title/le-gai-le-gai-re-hamaro-chit-chor-kanhiyan-teri-bansuri

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |